इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, मंगलवार, 29 अप्रैल 2025
वर्ष 17 अंक 233 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

बुद्धि के सिवाय विचार प्रचार का कोई दूसरा शस्त्र नहीं है, क्योंकि ज्ञान ही अन्याय को मिटा सकता है।
- शंकराचार्य

तापमान - अधिकतम 36.9°C (-2.6) न्यूनतम 24.0°C(+0.9) सेंसेक्स 80,218.537 (+10005.84) निफ्टी 24,328.50(+289.15) सोना 97,680 चांदी 1,00,500 मुद्रा - डालर 85.15 दिरहम 23.18 रियाल 23.70

एरा यूनिवर्सिटी में सेमिनार का हुआ आयोजन

'वैश्वीकृत दुनिया में विविध संचार शैलियों को अपनाना' विषय पर हुई चर्चा

लखनऊ (सं)। एरा यूनिवर्सिटी के अंग्रेजी विभाग द्वारा वैश्वीकृत दुनिया में विविध संचार शैलियों को अपनाना विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की शुरुआत डी.वाई. पाटिल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पुणे की संसाधन व्यक्ति डॉ. शिल्पा गौर के व्यावहारिक सत्र से हुई।

डॉ. गौर ने विविध संचार शैलियों, प्रमुख-पार-सांस्कृतिक संचार शैलियों, विविध संचार शैलियों को अपनाने की चुनौतियों और लाभों पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। व्याख्यान के बाद संबद्ध और स्वास्थ्य विज्ञान के स्पोकन इंग्लिश छात्रों द्वारा प्रभावी पार-सांस्कृतिक संचार की बारीकियों को दर्शाते हुए एक नाटक का आयोजन किया गया। एरा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. अब्बास अली महदी ने डॉ. शिल्पा को स्मृति चिन्ह भेंट किया। कुलपति ने वैश्विक संचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अंग्रेजी विभाग के संकाय सदस्य डॉ. रूपाली मिर्जा, डॉ.अकील अब्बास, डॉ. सालेहा जाफरी, विशाखा मेहरोत्रा और रुबीना खातून को छात्रों के लिए इस तरह के प्रासंगिक सेमिनार के आयोजन के लिए बधाई दी। प्रो. महदी ने इस बात पर जोर दिया कि प्रभावी वैश्विक संचार एक दूसरे से जुड़ी दुनिया में विकास को बढ़ावा देता है। प्रो-वाइस चांसलर प्रो. फरजाना महदी ने अंग्रेजी विभाग की प्रमुख डॉ. रूपाली मिर्जा, विज्ञान संकाय के डीन प्रो. एके श्रीवास्तव और सहायक डीन डॉ. शीबा रिजवी के साथ प्रमाण पत्र वितरित किए।